

quality ore available in India today is from that district;

(b) if so, whether Government propose to erect any steel plant in that district in the Third Five Year Plan period;

(c) how many steel plants are we going to have in the Third Five Year Plan period; and

(d) whether any sites have been selected for the location of such plants?

**The Minister of Steel and Heavy Industries (Shri C. Subramaniam):**

(a) Yes, Sir.

(b) to (d). During the Third Plan Period, it is proposed to set up a new steel plant at Bokaro. The question of setting up a pig iron plant based on Neyveli Lignite—representing an initial stage in the establishment of a steel plant in the Southern region is at present under the consideration of a Technical Committee, who are expected to report on a suitable location for the plant as well. A similar Committee is examining the technical and economical feasibility of setting up a pig iron or steel plant based on the iron ores of Bellary district.

**सेवानिवृत्त सूबेदार-मेजरों के लिये महंगाई**

**भत्ता**

**३३८०, श्री युद्धवीर सिंह चौधरी :**  
क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अवकाश प्राप्त सूबेदार-मेजरों को अन्य फौजी पेंशनों के समान वेतन के साथ कोई महंगाई भत्ता नहीं दिया जाता, और

(ख) यदि हाँ, तो इसका क्या कारण है ?

**प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री रघुरामैया) :** (क) सशस्त्र सेनाओं के पेंशनरों को महंगाई भत्ते के तौर पर कोई भत्ता पेंशनरों के साथ नहीं मिलता। तदपि छोटी पेंशनरों पर उन पेंशनरों को अस्थायी वृद्धियां देय हैं जिन्हें पेंशन संबंधी पुराने नियमों के

अधीन ११२ रुपये ५० नये पैसे तक मासिक पेंशन मिलती है। चूंकि इन अस्थायी वृद्धियों का अधिकार पेंशन के दर के आधार पर निर्धारित किया जाता है, न कि आस्पद के आधार पर, ऐसे सुबेदार मेजर अस्थायी वृद्धियों के अधिकारी हैं, जिन्हें ११२ रुपये ५० नये पैसे से कम मासिक पेंशन मिलती है।

(ख) उपरोक्त स्पष्ट की गई स्थिति के समक्ष, प्रश्न नहीं उठता।

**सशस्त्र सेना के पेंशनर**

**३३८१. श्री युद्धवीर सिंह चौधरी :**  
क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पेंशन प्राप्त भूतपूर्व सैनिकों को प्रतिमास पेंशन नहीं मिलती अपितु तीन मास या उससे भी अधिक समय में मिलती है ; और

(ख) यदि हाँ, तो इसका क्या कारण है ?

**प्रतिरक्षा मंत्री (श्री कृष्ण मेनन) :** (क) अधिकतर हाजतों में सशस्त्र सेनाओं के पेंशनरों को पेंशन की अदायगी त्रिमासिक की जाती है।

(ख) (१) जहां पेंशन मासिक भी दी जाती है, पेंशनर अपनी पेंशन लेने के लिये सदा समय पर नहीं आते, वरन दो तीन मास की पेंशन इकट्ठी लेना पसन्द करते हैं, क्योंकि इस तरह पेंशन देने वाले कार्यालयों को जाने आने की यात्रा में उन का खर्च बच जाता है। ऐसा कोई माध्य नहीं कि थोड़ी पेंशन पाने वाले पेंशनर अपनी पेंशन मासिक पाना पसन्द करेंगे।

(२) त्रिमासिक पेंशन पाने वाले पेंशनरों की संख्या कुछ लाख है। वह खजानों और डाकखानों में पेंशन पाते हैं। अगर

त्रिमासिक के स्थान अर्धवार्षिक मासिक कर दी गई तो उन कार्यालयों का पन्धने देने का काम ही भागे स तान गुना बढ़ जावेगा। वह इस का सामना न कर सके, और पारंगम स्वरूप विभाग पन्शनरों के लिये ही गंभार काठेनःइषा वा कर देगा।

#### Sainik Samachar

3382. { Shri A. V. Raghavan:  
Shri Pottekkatt:  
Shri Warrior:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) the languages in which 'Sainik Samachar' is issued and its circulation figures;

(b) the cost incurred for each edition; and

(c) whether there is any proposal to publish a Malayalam edition of the same?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri Raghuramaiah):

(a) "Sainik Samachar" is published in nine languages, namely, English, Hindi, Roman-Hindi, Urdu, Punjabi, Marathi, Tamil, Telugu and Gorkhali.

The language-wise circulation figures for the issue dated June 17, 1962, are:

English.	2,950
Urdu.	753
Hindi.	4,676
Punjabi.	2,256
Roman Hindi.	419
Tamil.	647
Telugu.	263
Marathi.	581
Gorkhali.	643
Total.	13,188

(b) Accounts of expenditure for each edition are not maintained separately. The total expenditure on production of the journal during 1961-62 was Rs. 5.31 lakhs (approximately).

(c) Yes, Sir, a proposal to publish a Malayalam edition is under consideration.

#### Census of Ex-Servicemen

3383. { Shri A. V. Raghavan:  
Shri Pottekkatt:  
Shri Warrior:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to conduct a census of the ex-servicemen of the country; and

(b) whether Government has any information regarding the number of unemployed ex-servicemen, district-wise?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri Raghuramaiah):

(a) No, Sir.

(b) No, Sir. However, the information regarding the number of ex-servicemen borne on the Live Registers of the Employment Exchanges seeking employment assistance as on 31st December, 1961 is available with the Government, State-wise (not District-wise) and has already been supplied in reply to Unstarred Question No. 2599 on the 5th June, 1962 in the Lok Sabha.

#### Aid from PL-480 Funds to Leather Research Institute, Guindy

3383. { Shri A. K. Gopalan:  
Shri Umanath:

Will the Minister of Scientific Research and Cultural Affairs be pleased to state:

(a) whether the Central Leather Research Institute situated in Guindy is to get any aid from PL 480 funds, for any of its schemes of fundamental research;

(b) if so, the amount spread over and the conditions thereof; and

(c) what are the schemes for which it is to be utilised?